पाठ -7

बीरबल की समझदारी

विधा - ऐतिहासिक कहानी

• सोचो और बताओ - (मौखिक)

प्र॰(क) अधिकारी ने किससे शर्त लगाई थी?
उ॰ अधिकारी ने एक गरीब आदमी से शर्त लगाई थी।

प्र॰(ख) अधिकारी ने गरीब आदमी से क्या शर्त लगाई थी?
उ॰ अधिकारी ने गरीब आदमी से यह शर्त लगाई थी कि यदि वह यमुना नदी के ठंडे पानी में रात भर खड़ा रहे तो वे उसे बादशाह से सोने की अशर्फियाँ इनाम में दिलवाएँगे।

प्र॰(ग) अधिकारी ने कितनी अशर्फियाँ गरीब आदमी को देने का वादा किया था?
उ॰ अधिकारी ने बहुत-सी अशर्फियाँ गरीब आदमी को देने का वादा किया था।

प्र॰(घ) गरीब आदमी रातभर पानी में क्यों खड़ा रहा?
उ॰ गरीब आदमी रातभर पानी में इसलिए खड़ा रहा क्योंकि उसे इनाम में अशर्फियाँ मिलनी थीं।

प्र॰(ङ) गरीब आदमी को अशर्फियाँ किसने दिलवाईं?
उ॰ गरीब आदमी को अशर्फियाँ बीरबल ने दिलवाईं।

संकलित मूल्यांकन - (लिखित)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो -

प्र० (क) गरीब आदमी ने कौन-सी शर्त मान ली थी?
उ० गरीब आदमी ने रातभर यमुना नदी के ठंडे पानी में खड़े रहने की शर्त मान ली थी।

प्र० (ख) बादशाह ने उस गरीब आदमी की निगरानी के लिए क्या किया था?
उ० बादशाह ने उस गरीब आदमी की निगरानी के लिए पहरेदारों को लगा दिया था।

प्र० (ग) गरीब आदमी ने पानी में खड़े रहकर सारी रात कैसे बिताई थी?
उ० गरीब आदमी ने राजा के महल की खिड़की से दिखने वाले दीपक की रोशनी के सहारे सारी रात बिताई थी।

प्र० (घ) बादशाह ने क्या कहकर उसे इनाम नहीं दिया?
उ० बादशाह ने यह कहकर उसे इनाम नहीं दिया कि "अच्छा, तो तुम रातभर ठंडे पानी में इसलिए खड़े रहे, क्योंकि तुम्हें उस दीपक से गरमी मिल रही थी। अतः तुम्हें इनाम पाने का कोई अधिकार नहीं है।"

प्र० (ङ) गरीब आदमी को न्याय किसने दिलाया?
उ० गरीब आदमी को न्याय बीरबल ने दिलाया।

पाठ-7

बीरबल की समझदारी

PAGE NO :
DATE : / /

• सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ -

उ० (क) अधिकारी ने कहा, "मैं तुम्हें सोने [✓] की अशर्फियाँ दिलाऊँगा।"

(ख) बादशाह के दरबार में नौ रत्न [✓] रहा करते थे।

(ग) नौ रत्नों में से बीरबल [✓] एक थे।

(घ) बीरबल [✓] बहुत ही बुद्धिमान और नेक दिल इंसान थे।

(ङ) बादशाह, बीरबल का बहुत सम्मान [✓] करते थे।

• जोड़ मिलाओ -

उ० (क) मजबूरी में

(ख) मज़ाक

(ग) कमज़ोर लोगों की

(घ) न्याय के पथ पर

(ङ) सोच विचार कर

• दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ -

(1) अशर्फियाँ - राजा ने गरीब आदमी को अशर्फियाँ दीं।

(2) तालाब - तालाब में मछलियाँ होती हैं।

(3) पहेलियाँ - मुझे पहेलियाँ बुझाना अच्छा नहीं लगता।

(4) लाख-लाख - ईश्वर का लाख-लाख धन्यवाद!

• भाषा कौशल

1. पाठ में दिए गए मुहावरों को ढूँढकर वाक्यों में प्रयोग करो -

	मुहावरा	अर्थ	वाक्य प्रयोग
(1)	मज़ाक बनाना	हँसी उड़ाना	- रवि सभी का मज़ाक बनाता है।
(2)	गलती का एहसास होना	अपनी गलती समझ में आ जाना	- राजा को अपनी गलती का एहसास हो गया।
(3)	ढाँढ़स बँधाना	दिलासा देना	- दुखी व्यक्ति को ढाँढ़स बँधाए रहना चाहिए।

2. विशेषण का विशेष्य के साथ मिलान करो -

(1)	ठंडा	पानी
(2)	गरीब	व्यक्ति
(3)	लंबी	रात
(4)	न्यायी	राजा
(5)	बुद्धिमान	बीरबल

रचनात्मक कौशल

कहानी - हवा महल

एक समय की बात है, बादशाह अकबर ने अपने दरबारियों से कहा, "मुझे एक ऐसा महल बनवाना है जो हवा में हो।" सभी से पुछा कि हवा महल कौन बनवा सकता है? किसी ने भी हाँ में जवाब नहीं दिया। जब बादशाह ने यही बात बीरबल से कही तो बीरबल ने कहा "हुजूर मैं हवा महल तैयार करवा दूंगा। मुझे सात दिन का समय दीजिए।" बीरबर ने बीस बोलने वाले तोते बाजार से मँगवा लिए और सात दिनों में उन्हें अपने हिसाब से सिखा दिया। एक दिन राजा ने हवा महल देखने की इच्छा प्रकट की। बीरबल उन्हें एक मैदान में ले गए। वहाँ उन्हें आवाज़ सुनाई दे रही थी कि, 'कहाँ हो, गारा लाओ, ईंटें रखो, पत्थर तराशो, जल्दी करो, हवा महल अच्छा बनना चाहिए।' यह सब सिखाए हुए तोते आसमान में बोल रहे थे। बादशाह बीरबल की बुद्धिमानी को समझ गए। उन्होंने बीरबल की बहुत प्रशंसा की और उन्हें अपने गले से लगा लिया।

नोट - सभी कार्य स्वच्छ व सुंदर अक्षरों में लिखें व याद करें।
विशेषण व विशेष्य की परिभाषा याद करें।